



जन सुनवाई दस्तावेज

दीपका ओपनकास्ट कोयला खदान परियोजना
के लिए

ईआईए/ईएमपी का सारांश

क्षमता: 37.50 एमटीपीए से 40.00 एमटीपीए

परियोजना क्षेत्र: 1999.293 हेक्टेयर से 1999.386 हेक्टेयर

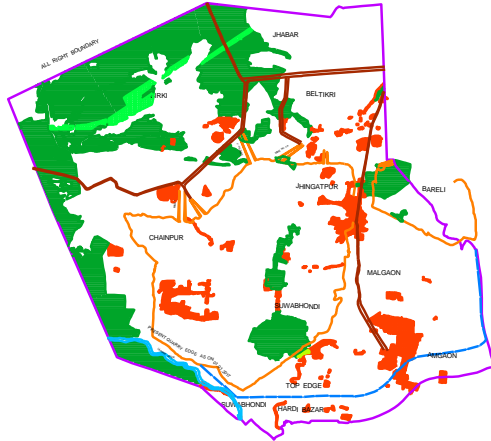
गांव: दीपका, चैनपुर, बेलतिकरी, झिंगटपुर, झाबर, सिरकी, रेंकी, सुवाभोंडी, रतीजा, मलगाँव,
हरदीबाजार और आमगाँव

तहसील: कटघोरा; जिला: कोरबा; राज्य: छत्तीसगढ़

(परियोजना अनुसूची 1 (ए): खनिजों का खनन, श्रेणी 'ए' के तहत वर्गीकृत है;

जारी किया गया टी ओ आर (TOR)- MoEF&CC फ़ाइल सं. J-11015/487/2007-IA.II (M)pt., दिनांक
08/06/2020 और J-11015/487/2007-IA.II (M), दिनांक 09/01/2023)

परियोजना प्रस्तावक
साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(एक मिनी रत्न कंपनी)



(फरवरी - 2023)

सलाहकार

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल)

कांके रोड, रांची, झारखंड-834031

(एक मिनी रत्न कंपनी और कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी)

एनएबीईटी मान्यता प्रमाण पत्र संख्या। एनएबीईटी/ईआईए/2124/आरए 0258 22.08.2024 तक वैध

जन सुनवाई दस्तावेज
ईआईए/ईएमपी दीपका खुली खदान विस्तार परियोजना 40 एमटीपीए (TOR के अनुसार)
का सारांश

1.1 परियोजना विवरण:

दीपका खुली खदान विस्तार परियोजना एसईसीएल नियंत्रित क्षेत्र के मोटे (पर्ट) सीम जोन में मौजूदा मेगा खुली खदान कोयला खनन परियोजना का विस्तार है जो पावर ग्रेड कोयले का उत्पादन करती है। यह दीपका क्षेत्र के प्रशासनिक नियंत्रण में है। वर्तमान प्रस्ताव इसकी मौजूदा क्षमता 37.5 से बढ़ाकर 40 एमटीपीए करने का है।

1.1.1 परियोजना स्थल:

दीपका ओसीपी विस्तार, दीपका और हरदी ब्लॉक का एक हिस्सा, छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कोरबा कोलफील्ड के दक्षिण-मध्य भाग में जिला कोरबा, छत्तीसगढ़ में स्थित है।

ये ब्लॉक 12.42 वर्ग किमी के क्षेत्र (सड़क, कॉलोनी, बुनियादी ढांचे आदि के लिए आवश्यक क्षेत्र को छोड़कर) को पूरी करते हैं।

तालिका -1.1: परियोजना स्थान विवरण

क्र.सं.	विवरण	
1.	नाम	दीपका खुली खदान विस्तार परियोजना
2.	गांवों	दीपका, चैनपुर, बेलतिकरी, झिंगटपुर, झाबर, सिरकी, रेंकी, सुवाभोडी, रतीजा, मलगाँव, हरदीबाजार और आमगाँव
3.	तहसील	कटघोरा
4.	पिन कोड	495452
5.	ज़िला	कोरबा
6.	राज्य	छत्तीसगढ़
7.	अक्षांशों	N 22°18'59" to N 22°19'43"
8.	देशांतर	E 82°30'47" to E 82°33'34"
9.	अधिकतम ऊंचाई	एमएसएल (MSL) से 293 मीटर
10.	टोपो शीट नं.	64J/11
1 11	भूकंपीय क्षेत्र	आईएस 1893 (भाग 1):2002 (5वां संशोधन) के अनुसार जोन-II
12.	निकटतम कस्बा	कोरबा, 26 किमी
13.	निकटतम शहर	बिलासपुर (छ.ग.)
14.	जिला मुख्यालय	कोरबा
15.	राज्य की राजधानी	रायपुर (छत्तीसगढ़)
16.	निकटतम हवाई अड्डा	रायपुर एयरपोर्ट करीब 230 किमी, बिलासपुर 100 किमी

क्र.सं.	विवरण	
17.	निकटतम रेलवे स्टेशन	एसईसी रेलवे की चांपा-गेवरा रोड शाखा लाइन पर 12 किमी पर गेवरा रोड रेलवे स्टेशन
18.	निकटतम नदी (यदि कोई हो)	परियोजना से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पर हसदेव नदी बहती है।
19.	अन्य जल निकाय (झील/नाला आदि)	लीलागढ़ नदी खदान की सीमा के निकट बहती है, अहिरोन नदी 8 कि.मी., खोलार नाला 5 कि.मी. और कई छोटे चैनल हसदेव नदी में जुड़ते हैं।

(स्रोत- माइन प्लान/दीपका ओसी का पीएफआर/फॉर्म-1/सरकारी एजेंसियां)

1.1.2 पिछले पर्यावरण स्वीकृतियों का विवरण:

तालिका -1.2: पिछले पर्यावरण स्वीकृतियों(EC) का विवरण (ईआईए अधिसूचना, 2006 के तहत)

क्र.सं.	ईसी का विवरण	फाइल संख्या	ईसी जारी करने की तारीख	वैधता
1	25 एमटीपीए	J-11015/487/2007-IA-II(M)	03.06.2009	खदान का जीवनकाल
2	30 एमटीपीए	J-11015/487/2007-IA-II(M)	12.02.2013	खदान का जीवनकाल
3	31 एमटीपीए	J-11015/487/2007-IA-II(M)	06.02.2015	खदान का जीवनकाल
4	35 एमटीपीए	J-11015/487/2007-IA-II(M)	20.02.2018	31 मार्च 2019 तक
5	35 एमटीपीए	J-11015/487/2007-IA-II(M)	20.03.2019	एक वर्ष
6	35 एमटीपीए	J-11015/487/2007-IA-II(M)	09.03.2020	30 वर्ष या खदान का जीवनकाल जो भी पहले हो
7	37.5 एमटीपीए	J-11015/487/2007-IA-II(M)	05.09.2022	30 वर्ष या खदान का जीवनकाल जो भी पहले हो

1.1.3 वन भूमि और उसका विवरण:

तालिका - 1.3: वन स्वीकृति की स्थिति

वन भूमि का विवरण एवं उसका अनुमोदन				
ए. वन भूमि (409.056 हेक्टेयर) एफसी/स्टेज-1 वन मंजूरी के साथ				
क्र.सं.	क्षेत्र (हेक्टेयर में)	एमओईएफसीसी, नई दिल्ली की फाइल संख्या	अंतिम एफसी अनुमोदन तिथि	स्टेज-1 जारी करने की तिथि
1	33.84	F.No. 8-8/2006-FC	-	03.03.2011
2	206.638	F.No. 8-80/2006-FC	-	20.10.2006
3	148.866	F.No.8-78/2006-FC	31.01.2022	

4	16.794	F.No.8C/6/591/98/FCW/78	11.01.2001
5	2.918	F.No.8B/115/2001-FCW/869	03.04.2002
संपूर्ण	409.056 हेक्टेयर {240.478 हेक्टेयर चरण-1 और 168.578 (अंतिम एफसी)}		
	ख. विस्तार के लिए आवश्यक अतिरिक्त वन भूमि- 0.093 हेक्टेयर		
1	0.093	FC Reg No: 2013/028	चरण-1 ने राजस्व वन के लिए दिनांक 04.04.2013 को आवेदन किया। फ़ाइल वर्तमान में APCCF (LM) कार्यालय, रायपुर में है।
कुल योग	409.149 हेक्टेयर		

1.1.4 पर्यावरणीय संवेदनशीलता:

तालिका -1.4: पर्यावरण संवेदनशीलता

क्र. सं.	क्षेत्रों	नाम	परियोजना के केंद्र से हवाई दूरी (किमी में)	
			कोर जोन	बफर जोन (10 किमी)
1.	राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य	नहीं	-	-
2.	बायोस्फीयर रिजर्व/टाइगर रिजर्व/हाथी रिजर्व/कोई अन्य रिजर्व	नहीं	-	-
3.	*वन (आरएफ/पीएफ/अवर्गीकृत)	अनाम संरक्षित वन	परियोजना के केंद्र से 1.67 कि.मी के भीतर (कोर जोन)-	
			- 1.71 किमी	
			- 5.05 कि.मी	
			- 4.16 किमी	
			- 3.18 किमी	
			छिंदपानी पीएफ	
		मानिकपुर पीएफ	- 10.79 किमी	
		बरगहन आरएफ	- 9.45 किमी	
4.	प्रवासी पक्षियों के लिए आवास	कोई भी नहीं	-	-
5.	वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I और II के जानवरों के लिए गलियारा	कोई भी नहीं	-	-
6.	पुरातात्विक स्थल * अधिसूचित * अन्य	कोई भी नहीं	-	-
7.	रक्षा स्थापना	कोई भी नहीं	-	-

क्र. सं.	क्षेत्रों	नाम	परियोजना के केंद्र से हवाई दूरी (किमी में)
8.	उद्योग/ताप विद्युत संयंत्र	एनटीपीसी/बाल्को /एसटीपीसी	- 10 किमी के भीतर
9.	अन्य खदानें	गेवरा ओसीपी सुराकछार यूजीपी बांकी यूजीपी बाल्गी यूजीपी कुसमुंडा ओसीपी	- नज़दीक - (~) 6.5 कि.मी. - (~) 7 कि.मी. - (~) 8 कि.मी. - (~) 6 कि.मी.
9	हवाई अड्डों	रायपुर	- (~) 200 कि.मी बिलासपुर – 100 कि.मी
10	रेलवे लाइन	गेवरा रोड रेलवे। स्टेशन।	- (~)19 कि.मी.
11	राष्ट्रीय / राज्य राजमार्ग	राज्य राजमार्ग	- 1 किमी से अधिक

* संदर्भ: जीआईएस पर एमओईएफएंडसीसी ऑनलाइन प्रस्ताव का विवरण
(स्रोत- माइन प्लान/दीपका ओसी का पीएफआर/फॉर्म-1/सरकारी एजेंसियां)

1.1.5 परियोजना की मुख्य विशेषताएं:

तालिका 1.5 परियोजना की मुख्य विशेषताएं

क्र.सं.	विवरण	प्रोजेक्ट पैरामीटर्स
1	परियोजना का प्रकार	ओपनकास्ट कोयला खदान
2	नया / विस्तार	विस्तार
3	ईआईए अधिसूचना के अनुसार मद संख्या	1
4	ईआईए अधिसूचना के अनुसार श्रेणी	"ए"
5	खनन योग्य रिजर्व (मिलियन टन):	01/04/2022 को 164.93
6	(एनसी: गैर-कोकिंग और सी: कोकिंग)	(एनसी: गैर-कोकिंग)
7	ओबी (OB) का आयतन (Mm ³)	01/04/2022 को 295.84
8	स्ट्रिपिंग अनुपात (M ³ /t)	1.80
9	सामान्य क्षमता (एमटीपीए)	40
10	खदान की अंतिम गहराई (मीटर)	250 मी
11	खुदाई का क्षेत्र (हेक्टेयर)	1002.146
12	डंप का क्षेत्र (हेक्टेयर)	बाहरी डंप-206 हेक्टेयर.; आंतरिक डंप-756.093 हेक्टेयर; उपरी मिट्टी - 24 हेक्टेयर
13	खदान की आयु (वर्ष)	05 (01/04/2022 को)
14	खदान के तल का औसतन ढाल (डिग्री में)	3.37 - 6.34
15	श्रेणी	जी10/जी11
16	वन भूमि (हेक्टेयर.)	409.149

क्र.सं.	विवरण	प्रोजेक्ट पैरामीटर्स
17	कुल भूमि उपयोग (हेक्टेयर.)	1999.386
18	आर एंड आर भागीदारी (संख्या)	पीएएफ-1690
19	पूंजी लागत (करोड़ में)	2129.09

(स्रोत- माइन प्लान/दीपका ओसी का पीएफआर/फॉर्म-1/सरकारी एजेंसियां)

तालिका 1.6: परियोजना की भू-खनन विशेषताएं

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	मान
1.	कोयले की परते (Seams)	मीटर	
(i)	लोअर कुसमुंडा (संयुक्त)	मीटर	56.70 - 70.15
(ii)	निचला कुसमुंडा (उपरी)	मीटर	34.70 - 44.85
(iii)	लोअर कुसमुंडा (निचली)	मीटर	2.19 - 24.50
(iv)	अपर कुसमुंडा	मीटर	24.69-35.82
(v)	सीम ई एंड एफ	मीटर	12.70- 19.05
2.	सीमों का विशिष्ट गुरुत्व	मिलियन क्यूबिक /टन	1.58
3.	खदान के तलो का औसत दलान		9 में 1 से 17 में 1
4.	सिम (पर्त) की औसत गुणवत्ता	श्रेणी	जी10/जी11
5	विभाजन (कोयला पर्त के मध्य)	मीटर	
(i)	निचली कुसमुंडा (नीचे) और निचली कुसमुंडा (ऊपर) के बीच विभाजन	मीटर	3.00-35.56
(ii)	निचली कुसमुंडा (उपरी)/(संयुक्त) और ऊपरी कुसमुंडा के बीच विभाजन	मीटर	12.17-78.63
(iii)	E&F और UK के बीच विभाजन	मीटर	30.14-62.12
(iv)	उपरी ओबी	मीटर	8.02-85.15
6	खदान की स्टाइक लंबाई	किमी	3.0 - 4.0
7	खदान की डीप -राइज की चौड़ाई	किमी	2.6 - 3.2
8	खदान की अधिकतम गहराई	मीटर	250
9	खदान का भूतल क्षेत्र भुपेथ	हेक्टेयर	1002

1.1.6 40.0 एमटीपीए के लिए उत्पादन कार्यक्रम:

तालिका - 1.7: कैलेंडर कार्यक्रम

	कोयला (मिलियन टन)	ओबी (मिलियन क्यूबिक मीटर)
वर्ष 1	40	71.80
वर्ष 2	40	71.80
वर्ष 3	40	71.80
वर्ष 4	40	71.80
वर्ष 5	4.93	8.64
टोटल	164.93	295.84

1.1.7 भूमि उपयोग विवरण (पूर्व, कार्य के दौरान और पश्चात):

पूर्व-खनन भूमि उपयोग:

तालिका-1.8ए

गतिविधि	भूमि क्षेत्र के प्रकार (हेक्टेयर)			कुल भूमि क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
	जंगल भूमि	किरायेदारी / कृषि भूमि	सरकारी भूमि	
कोई नहीं	409.149	1409.244	180.993	1999.386

कोर (मूल) क्षेत्र भूमि उपयोग: (खनन के दौरान)

तालिका-1.8बी

क्रम सं.	गतिविधि	भूमि के प्रकार हैं (हेक्टेयर)			कुल भूमि क्षेत्र (हेक्टेयर)
		जंगल भूमि	किरायेदारी / कृषि भूमि	सरकारी भूमि	
1	खदान क्षेत्र*	52.982	858.314	90.850	1002.146
2	बाह्य ओबी डंप	54.718	125.212	26.070	206.000
3	बुनियादी ढांचा, कार्यशाला, प्रशासन भवन आदि।	279.242	313.518	41.114	633.874
4	सड़कें	0.000	4.000	0.000	4.000
5	हरित पट्टी	0.000	23.000	0.000	23.000
6	सुरक्षा क्षेत्र	22.207	85.2	22.959	130.366
कुल भूमि		409.149	1409.244	180.993	1999.386

* जिसमें 756.093 हेक्टेयर आंतरिक डंप, उपरी मिट्टी के लिए 24 हेक्टेयर और जल निकास के लिए 222.053 हेक्टेयर शामिल है।

खनन के बाद भूमि उपयोग:

तालिका - 1.8सी

भूमि उपयोग का विवरण (पोस्ट - माइनिंग)						
क्र. सं.	खनन के दौरान भूमि उपयोग	भूमि उपयोग (हेक्टेयर)				कुल
		वृक्षारोपण	जल निकास	सार्वजनिक उपयोग	अबाधित	
1	बाह्य ओबी डंप	206.000	0.000	0.000	0.000	206.000
2	उपरी मिट्टी (Top Soil) का ढेर	24.000	0.000	0.000	0.000	24.000
3	उत्खनन	756.093	222.053	0.000	0.000	978.146
4	सड़कें	4.000	0.000	0.000	0.000	4.000
5	निर्मित क्षेत्र	633.874	0.000	0.000	0.000	633.874
6	हरी पट्टी (Green Belt)	23.000	0.000	0.000	0.000	23.000
7	अबाधित क्षेत्र	130.366	0.000	0.000	0.000	130.366
संपूर्ण		1777.333	222.053	0.000	0.000	1999.386

(दीपका ओसी के पीआर/माइन प्लान/पीएफआर के अनुसार 40 एमटीपीए)

1.1.8 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महत्व:

भारत देश ज्यादातर थर्मल पावर पर निर्भर है और यह परियोजना थर्मल पावर के उत्पादन में योगदान दे रही है इसलिए इसका राष्ट्रीय महत्व है। क्षेत्रीय संदर्भों के मामले में, राज्य परिवहन सुविधाओं वाली सड़कों का विकास किया जाएगा। राज्य सरकार को अध्ययन क्षेत्र में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष संचालन से रायल्टी, करों आदि के रूप में करोड़ों रुपये के वित्तीय राजस्व के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है।

1.2 पर्यावरण का विवरण

प्रस्तावित दीपका ओपनकास्ट विस्तार परियोजना के पर्यावरण के विभिन्न घटकों पर खनन संचालन के प्रभाव का आकलन करने के लिए, बेसलाइन डेटा को हवा, पानी, शोर और मिट्टी की गुणवत्ता, भूमि उपयोग पैटर्न, जल विज्ञान, वनस्पति और जीव, सामाजिक आर्थिक पहलू आदि विभिन्न घटक - मानसून के बाद के मौसम (अक्टूबर 22 - दिसंबर 22) के दौरान मॉनिटर किए गए। मापदंडों की वर्तमान पर्यावरणीय स्थिति को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1.9: बेसलाइन डेटा का सारांश

बेसलाइन डेटा का सारांश									
3.1	बेसलाइन डेटा संग्रह का विवरण								
सीजन (मानसून के बाद)	संग्रह की अवधि		मॉनिटरिंग स्टेशन की संख्या =9						
	कब से	कब तक	मौसम विज्ञान (सं.)	परिवेशी वायु गुणवत्ता (संख्या)	सतही जल गुणवत्ता (संख्या)	भूजल गुणवत्ता (संख्या)	भूजल स्तर (संख्या)	शोर स्तर (संख्या)	मिट्टी की गुणवत्ता (संख्या)
	01-10-2022	31-31-2022	1	9	6	7	44	9	3
3.2	मौसम संबंधी पैरामीटर								
क्र	पैरामीटर		न्यूनतम मान	अधिकतम मान		औसत मान			
1	तापमान (डिग्री सेल्सियस)		11	34		23			
2	हवा की गति (मीटर/सेकंड)		0	3.7		0.7			
3	सापेक्षिक आर्द्रता (%)		28	92		61			
4	सौर विकिरण (W/m ²)		0	720		145.1			
5	वर्षा		कुल वर्षा (मिमी)		बरसात के दिनों की संख्या		औसत वार्षिक वर्षा (मिमी)		
			0		0		0		
6	प्रमुख हवा की दिशा		उत्तर पूर्व (NE)						
3.3	परिवेशी वायु गुणवत्ता नोट: (कई स्थानों पर निगरानी किए गए डेटा के मामले में कृपया सीमा निर्दिष्ट करें)								
निगरानी स्थान (कोर / बफर)	मानदंड प्रदूषक	यूनिट	अवलोकित मान		औसत मान	निर्धारित मानक			
			न्यूनतम मान	अधिकतम मान					
कोर जोन	PM10	µg/m ³ में	106.5	131.6	120	300			
	PM2.5	µg/m ³ में	60.6	76.5	68.6	-			
	SO ₂	µg/m ³ में	28.2	35.6	32.8	120			
	NO ₂	µg/m ³ में	22.5	32.0	27.6	120			
बफर जोन	PM10	µg/m ³ में	48.1	83.0	63.7	100			
	PM2.5	µg/m ³ में	22.4	51.5	34.9	60			
	SO ₂	µg/m ³ में	6.7	23.8	16.4	80			
	NO ₂	µg/m ³ में	5.3	21.1	12.9	80			

3.4		सतही जल की गुणवत्ता					
निगरानी स्थान	मानदंड प्रदूषक	यूनिट [मिलीग्राम / ली.]	अवलोकित मान		IS: 2296-1982 के अनुसार मानक	सीपीसीबी जल गुणवत्ता मानदंड	
			न्यूनतम	अधिकतम		वर्ग	मानक
कोर जोन	पीएच	-	7.16	7.44	6.5 से 8.5	सी	6.5 से 8.5
	टीएसएस	मिलीग्राम/ली	15.0	20.0	-	सी	-
	टीडीएस	मिलीग्राम/ली	502	570	1500	सी	1500
	कुल कठोरता	मिलीग्राम/ली	316.0	356.0	-	सी	-
	क्लोराइड	मिलीग्राम/ली	69.98	77.98	600	सी	600
	फ्लोराइड	मिलीग्राम/ली	0.6	0.7	1.5	सी	1.5
	घुलित ऑक्सीजन	मिलीग्राम/ली	5.6	5.9	मिन, 4	सी	मिन, 4
	बीओडी	मिलीग्राम/ली	2.6	2.9	3	सी	3
	सीओडी	मिलीग्राम/ली	20.0	25.0	-	सी	-
	(पारा)	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.001)	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.001)	-	सी	-
बफर जोन	पीएच	-	7.16	7.90	6.5 से 8.5	सी	6.5 से 8.5
	टीएसएस	मिलीग्राम/ली	7.0	27.0	-	सी	-
	टीडीएस	मिलीग्राम/ली	160.0	518.0	1500	सी	1500
	कुल कठोरता	मिलीग्राम/ली	73.0	304.0	-	सी	-
	क्लोराइड	मिलीग्राम/ली	16.99	103.97	600	सी	600
	फ्लोराइड	मिलीग्राम/ली	0.02	0.69	1.5	सी	1.5
	घुलित ऑक्सीजन	मिलीग्राम/ली	6.40	7.5	मिन, 4	सी	मिन, 4
	बीओडी	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 2)	2.7	3	सी	3
	सीओडी	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	15.0	-	सी	-
	कुल कॉलिफॉर्म	मिलीग्राम/ली	13	42	5000	सी	5000
	भारी धातु (एचजी)	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.001)	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.001)	-	सी	-
3.5	भूजल गुणवत्ता						

निगरानी स्थान	मानदंड प्रदूषक	यूनिट	अवलोकित मान		IS के अनुसार मानक: 10500 वांछित सीमाएँ	IS:10500 अनुमेय सीमाएँ
			न्यूनतम	अधिकतम		
कोर जोन	पीएच	-	7.26	7.58	6.5 से 8.5	कोई छूट नहीं
	टीएसएस	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	निर्दिष्ट नहीं है	निर्दिष्ट नहीं है
	टीडीएस	मिलीग्राम/ली	242.00	312.00	500	2000
	कुल कठोरता	मिलीग्राम/ली	152.0	194.0	200	600
	क्लोराइड	मिलीग्राम/ली	43.99	53.98	250	1000
	फ्लोराइड	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.1)	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.1)	1	1.5
	घुलित ऑक्सीजन	मिलीग्राम/ली	5.50	6.10	निर्दिष्ट नहीं है	निर्दिष्ट नहीं है
	बीओडी	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 2)	बीक्यूएल (क्यूएल = 2)	निर्दिष्ट नहीं है	निर्दिष्ट नहीं है
	सीओडी	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	निर्दिष्ट नहीं है	निर्दिष्ट नहीं है
	भारी धातु (एचजी)	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.0005)	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.0005)	0.001	कोई छूट नहीं
बफर जोन	पीएच	-	6.49	7.56	6.5 से 8.5	कोई छूट नहीं
	टीएसएस	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	निर्दिष्ट नहीं है	निर्दिष्ट नहीं है
	टीडीएस	मिलीग्राम/ली	249.0	704.0	500	2000
	कुल कठोरता	मिलीग्राम/ली	106.0	322.0	200	600
	क्लोराइड	मिलीग्राम/ली	59.98	138.96	250	1000
	फ्लोराइड	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.1)	0.13	1	1.5
	घुलित ऑक्सीजन	मिलीग्राम/ली	5.9	6.8	निर्दिष्ट नहीं है	निर्दिष्ट नहीं है
	बीओडी	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 2)	बीक्यूएल (क्यूएल = 2)	निर्दिष्ट नहीं है	निर्दिष्ट नहीं है
	सीओडी	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	बीक्यूएल (क्यूएल = 5)	निर्दिष्ट नहीं है	निर्दिष्ट नहीं है
	भारी धातु (एचजी)	मिलीग्राम/ली	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.0005)	बीक्यूएल (क्यूएल = 0.0005)	0.001	कोई छूट नहीं
3.6	भूजल स्तर (जलभृत सतह)					
3.6.1 निगरानी स्थान	जल तालिका की रेंज प्री-मानसून सीजन (जमीनी स्तर से नीचे मीटर में)		मानसून के बाद के मौसम में जल तालिका की सीमा (जमीनी स्तर से नीचे मीटर में)			
	कहा से	कहा तक	कहा से	कहा तक		
कोर जोन	4.36 मीटर	8.42 मीटर	2.20 मीटर	5.10 मीटर		
बफर जोन	3.65 मीटर	8.21 मीटर	1.80 मीटर	7.50 मीटर		
3.7	शोर स्तर					

निगरानी स्थान	श्रेणी	अवलोकित शोर स्तर (डीबी (ए))				निर्धारित मानक (डीबी (ए))					
		दिन का समय स्तर		रात का समय स्तर		दिन का समय स्तर	रात्रि की बेला स्तर				
		कहा से	कहा तक	कहा से	कहा तक						
कोर जोन	औद्योगिक क्षेत्र	66.5	71.3	52.9	61.2	75	70				
बफर जोन	आवसीय क्षेत्र	44.3	51.1	35.6	39.1	55	45				
3.8	मिट्टी की गुणवत्ता										
	3.8.1	भौतिक विशेषताएं									
निगरानी स्थान	मृदा संरचना	कण आकार वितरण						पानी रोकने की क्षमता (%)		सरंध्रता (%)	
		रेत (%)		गाद (%)		मिट्टी (%)		कहा से	कहा तक	कहा से	कहा तक
		कहा से	कहा तक	कहा से	कहा तक	कहा से	कहा तक				
कोर जोन	दोमट/रेतीली दोमट	49.3	56.1	28.7	31.8	15.2	20.1	32.42	41.6	45	47
बफर जोन	दोमट/रेतीली दोमट	49.3	56.1	27.2	30.6	16.7	20.1	32.1	38.7	45	47
3.9	रासायनिक गुण										
निगरानी स्थान	मानदंड पैरामीटर	यूनिट	अवलोकित मान								
			कहा से	कहा तक	कहा से	कहा तक					
कोर जोन	नाइट्रोजन	किग्रा/हे.	262.5	371.28							
	फास्फोरस	किग्रा/हे.	10.9	15.31							
	एसएआर	-	1.13	1.19							
बफर जोन	नाइट्रोजन	किग्रा/हे.	206.64	371.28							
	फास्फोरस	किग्रा/हे.	11.54	15.31							
	एसएआर	-	1.15	1.18							
3.10	क्या यातायात अध्ययन किया गया है [हां/नहीं] यदि हां,					हाँ					
3.10.1	मौजूदा										
	सड़क	वी (पीसीयू/दिन में वॉल्यूम)*	सी (पीसीयू/दिन में क्षमता)*	मौजूदा वी/सी अनुपात	लॉस (Level of Service)						
	20 मीटर चौड़ाई (कलेक्टर रोड) की 4 लेन अविभाजित (दो-तरफा)	9034.05	15000	0.602	डी						
*यातायात अध्ययन में विचार किए गए घंटों की संख्या के आधार पर											
3.10.2	प्रस्तावित										
	सड़क	वी (पीसीयू/दिन में मात्रा)	सी (पीसीयू/दिन में क्षमता)	मौजूदा वी/सी अनुपात	लॉस (Level of Service)						
खान के बाहर कोयला परिवहन के लिए कोई अतिरिक्त वाहन प्रस्तावित नहीं है। सभी कोयले को रैपिड साइलो के माध्यम से भेजा जाएगा।											
3.11	क्या अध्ययन क्षेत्र में अनुसूची-1 की कोई प्रजाति पाई जाती है? [हाँ/नहीं]:					हाँ- लेकिन कोर जोन में नहीं।					
3.11.1	अनुसूची-1 प्रजातियों का विवरण					वन के अतिरिक्त डेटा में अजगर, मॉनिटर छिपकली और सुस्त भालू की सूचना दी गई है। (अध्ययन क्षेत्र)					
3.11.2	क्या अनुसूची-1 प्रजातियों के लिए संरक्षण योजना तैयार की गई है?					हाँ, डब्ल्यूएलसीपी(WLCP)					
	निधि का प्रावधान किया गया (लाख में)					1547 लाख					

1.3 प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और मितव्ययी उपाय

1.3.1 वायु प्रदूषण के प्रभाव और इसका प्रबंधन

तालिका - 1.10 (i): अनुमानित वायु गुणवत्ता प्रभाव

क्र. सं.	मानदंड प्रदूषक	यूनिट	बेसलाइन कंसंट्रेशन (98 प्रतिशतक मान)	न्यूनतम मान	वृद्धिशील मान	कुल मान जीएलसी (GLC)	निर्धारित मानक
1	PM10	µg/m ³ में	83.00	65.00	3.53	86.53	100
2	PM2.5	µg/m ³ में	51.50	36.70	1.07	52.57	60
3	SO ₂	µg/m ³ में	23.80	15.40	0.00	23.80	80
4	NO ₂	µg/m ³ में	21.10	12.10	1.93	23.03	80

नोट: उपरोक्त मान डाउनविंड (एसएसडब्ल्यू) दिशा में 2.43 किमी पर स्थित सुफेलपारा गांव (नेवसा) (एल5) में मॉडलिंग के माध्यम से प्राप्त उच्चतम वृद्धिशील मूल्य के लिए हैं।

तालिका - 1.10 (ii): वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपाय

वायु प्रदूषण के संभावित स्रोत	वायु प्रदूषण की भयावहता	नियंत्रण उपाय (मौजूदा और प्रस्तावित)
ड्रिलिंग	अधिक धूल उत्पादन व्यावसायिक हज़ार्ड का जोखिम	आर्द्र ड्रिलिंग तकनीक व्यावसायिक जोखिम को कम करने के लिए ड्रिलर्स के लिये बंद केबिन व्यक्तिगत सुरक्षा गियर से लैस होंगे।
ब्लास्टिंग	अधिक धूल उत्पादन (प्रभाव अल्प अवधि के लिए रहता है)	ब्लास्टिंग तकनीकों में सुधार करके और नियंत्रित ब्लास्टिंग विधियों को अपनाकर। ब्लास्टिंग से पहले पानी का छिड़काव करें।
डम्पर पर कोयला लोड हो रहा है	वायु उत्सर्जन	लोडिंग ऑपरेटर के लिए वातानुकूलित केबिन। लोडिंग से पहले खनिज अयस्क/ओवर-बर्डन सामग्री पर पानी का छिड़काव (फॉगिंग सिस्टम)।
परिवहन	अधिक धूल संभावित	<ul style="list-style-type: none"> स्थायी सड़क पर स्वचालित जल छिड़काव एवं अस्थायी सड़क पर टैंकरों से पानी के छिड़काव की व्यवस्था। हॉल रोड के दोनों ओर अच्छे फुटेज वाले पेड़ों की हरित पट्टी। सीएचपी तक ले जाने से पहले डम्पर पर बारीक धूल को रोकने के लिए पानी के छिड़काव का प्रावधान। धूल दमन के लिए फॉगिंग प्रणाली। यंत्रिक स्वैपिंग मशीन। रैपिड साइलो सिस्टम-रेल परिवहन
सरफेस माइनर	धूल और व्यावसायिक खतरे की उच्च संभावना	सरफेस माइनर को पानी के छिड़काव की व्यवस्था के बिना नहीं चलाना चाहिए।
भंडारण	अधिक संभावित और व्यावसायिक खतरे।	चारों ओर पर्याप्त चौड़ाई के ग्रीनबेल्ट के साथ कवर्ड स्टोरेज यार्ड। विंड ब्रेकर/वीजीएस (VGS)

1.3.2 जल प्रदूषण के प्रभाव और इसका प्रबंधन

परियोजना गतिविधियों के कारण जल के संभावित स्रोत हैं:

- परते [तहें Strata] और बैकफिल्ड क्षेत्र से रिसाव
- वर्षा की अवक्षेपण और ओवरबर्डन से बहता पानी
- कार्यशाला बहिस्राव और घरेलू बहिस्राव

खदान का पानी

परत या बैकफिल्ड क्षेत्र के रिसाव से उत्पन्न खदान के पानी की मात्रा को उपयुक्त पंपों द्वारा निकाला जाएगा। बरसात के मौसम में खदान की परिधि के आसपास बने गारलैंड ड्रेन में जमा पानी को फेंकने के लिए हैवी ड्यूटी पंप तैनात किए जाएंगे।

1.3.3 हाइड्रोज्योलोजी

तालिका - 1.10 (iii): दीपका के लिए भूजल निष्कर्षण (%) का चरण

सीएमपीडीआई एल के अनुसार एसओजीडब्ल्यूई (SoGWE)	श्रेणी	भूजल स्तर की प्रवृत्ति (सेमी/वर्ष)				महत्वपूर्ण मूल्य	टिप्पणियाँ
		हरदी बाजार (KOB-003-OW)		बांकी मोगरा (केओबी-013-ओडब्ल्यू)			
		मानसून पूर्व	बाद मानसून	मानसून पूर्व	बाद मानसून		
62.78	सुरक्षित (≤70%)	3.30	-3.65	1.55	-9.78	>-10 से 10 सें.मी. होने पर न तो ऊपर उठें और न ही गिरें	स्वीकार्य, क्योंकि प्री-मानसून और पोस्ट-मानसून दोनों में एक साथ कोई महत्वपूर्ण गिरावट की प्रवृत्ति नहीं है।

1.3.4 शोर और कंपन के प्रभाव और इसके प्रबंधन

प्रस्तावित परियोजना में शोर के मुख्य स्रोत हैं:

- ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग
- कोयला और ओबी हैंडलिंग व्यवस्था
- वाहनों की आवाजाही
- भारी मशीनरी

उपरोक्त शोर पैदा करने वाले स्रोतों के कारण बैकग्राउंड शोर का स्तर बढ़ जाएगा। निम्नलिखित शोर नियंत्रण उपायों के साथ खनन गतिविधियों के दौरान क्षेत्र कायम रह सकता है:

- अवांछनीय शोर को रोकने के लिए डीजल पावर मशीनों और अन्य एचईएमएम को अनुरक्षण कार्यक्रम के अनुसार ठीक से बनाए रखा जाएगा।
- यदि आवश्यक हो तो ड्रिल मशीन संचालकों और डम्पर चालकों को इयरप्लग और ईयरमफ प्रदान किए जाएंगे।
- जहां भी आवश्यक हो, सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए नियमित रूप से ध्वनि स्तर की

निगरानी समय-समय पर की जाएगी।

- सड़क के किनारे और कार्यालयों के आसपास हरित पट्टी का अत्यधिक रोपण किया जाएगा।

टिपण्णी – उपरोक्त सभी सुरक्षा उपाय नियमित रूप से अपनाया जा रहे हैं।

1.3.5 भूमि और उसके प्रबंधन पर प्रभाव

जैसे-जैसे खनन कार्यवाही आगे बढ़ेगा परियोजना का भूमि उपयोग पैटर्न आंतरिक बैकफिल्ड डंप के साथ-साथ बाहरी डंप के गठन के कारण बदल जाएगा।

अ. मौजूदा भूमि उपयोग की स्थिति:

परियोजना की कुल भूमि उत्खनन के लिए भूमि, बाहरी डंप, औद्योगिक परिसर, सड़कें, हरा पट्टा, सुरक्षा क्षेत्र आदि सहित 1999.386 हेक्टेयर है। भूमि उपयोग का विवरण तालिका 11.8 (बी) में दिया गया है।

ब. वैचारिक पोस्ट खनन भूमि उपयोग:

खनन के बाद की वैचारिक भूमि उपयोग योजना ऊपर तालिका - 11.8 (सी) में दिखाई गई है। खनन गतिविधि द्वारा वन की 409.149 हे. के अवक्रमण की तुलना में 1777.333 हेक्टेयर का क्षेत्र सुधारी गयी (reclaimed) बाहरी ओबी डम्पों, उपरी मिट्टी के डम्प, सुधारी गयी (reclaimed) उत्खनन क्षेत्र, हरित पट्टी आदि पर वृक्षारोपण के माध्यम से वनीकरण करने का प्रस्ताव है।

स. रिक्लेमेशन

साइट की प्राकृतिक बाधाओं को देखते हुए सुधार योजना (रिक्लेमेशनप्लान) तैयार की गई है। पौधारोपण के लिए देशी प्रजातियों का चयन किया जाएगा। पौधे बैकफिल्ड क्षेत्रों, ओबी डंप, सड़क के किनारे, खदान परिसर और खदान क्षेत्र में उगाए जाएंगे। हरित पट्टी को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा।

1.3.6 वनस्पतियों और जीवों पर प्रभाव और इसके प्रबंधन

परियोजना क्षेत्र के भीतर वनस्पतियों और जीवों की कोई लुप्तप्राय या दुर्लभ प्रजाति नहीं है। बफर जोन में वन अभिलेखों में कुछ अनुसूचित-1 प्रजातियों की सूचना दी गई है। वन्य जीवों के संरक्षण के लिए टीएफआरआई, जबलपुर द्वारा एक डब्ल्यूएलसीपी (WLCP) तैयार किया गया है और यह अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए अंतिम प्रक्रिया में है। इसके अलावा, परियोजना अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्य भविष्य में पक्षियों और अन्य जीवों को आकर्षित करेगा।

1.3.7 सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का प्रबंधन

पीएफ (PAF) और पीएपी (PAP) के लिए आरएंडआर योजना प्रक्रियाधीन है। सीएसआर गतिविधियों और स्थानीय रूप से सृजित व्यावसायिक अवसरों के कारण आसपास के क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा। यह अवसंरचनात्मक सुविधाओं के और विकास सहित इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने में मदद करेगा।

1.4 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम:

तालिका 1.11: पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

क्र.सं.	निगरानी स्टेशन का नाम	मापदंडों	आवृत्ति	मानकों का पालन किया जाना है
वायु / शोर				
1	मालगाँव गाँव	एयर-एसपीएम, पीएम2.5, पीएम10, एसओ2, एनओ2 भारी धातुएँ- Ni, As, Hg, Pb शोर- Leq (डीबी (ए) में - दिन और रात का समय	वायु- सप्ताह में दो बार भारी धातुएं- छह महीने में शोर- पाक्षिक	-एनएएक्यूएस, 2009 कोर जोन के बाहर स्थित स्टेशनों के लिए। कोर जोन में स्थित स्टेशनों के लिए कोयला खान मानक, 2000 परिवेशी स्तर के शोर की निगरानी के लिए - सीपीसीबी प्रोटोकॉल -सीटीओ विशेष शर्तें
2	रेलवे साइडिंग के पास			
3	नया उत्खनन। कार्यशाला			
4	प्रगति नगर			
5	हरदी बाजार			
6	बटारी			
7	झबर			
8	रतिजा			
बहिःस्राव जल				
1	लीलागढ़ नाला के अपस्ट्रीम में -खनन पट्टा सीमा दीपका के प्रवेश करने से पहले	पीएच, टीएसएस, सीओडी, टीडीएस, बीओडी और तेल और ग्रीस सभी पैरामीटर	पाक्षिक साल में एक बार	-कोयला खदान मानक, 2000 और पर्यावरण के निर्वहन के लिए सामान्य मानक प्रदूषण (भाग ए: प्रवाह) अनुसूची VI के अनुसार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम -सीटीओ विशेष शर्तें
2	लीलागढ़ नाला के खनन पट्टा सीमा दीपका के डाउनस्ट्रीम में जाने के बाद			
3	वर्कशॉप एफ्लुएंट दीपका (डब्ल्यूबीपी)			
4	दीपका को बसाने के बाद माइन एफ्लुएंट (डब्ल्यूबीपी)			
पीने का पानी				
1	दीपका कॉलोनी पेयजल गेस्ट हाउस	24 पैरामीटर - रंग, गंध, फेनोलिक यौगिक, मैलापन, पीएच, क्षारीयता, कुल कठोरता, लोहा, क्लोराइड, शेष मुक्त क्लोरीन, टीडीएस, कैल्शियम, कॉपर, सल्फेट, नाइट्रेट	महीने के	-आईएस 10500:2012
2	सीजीएम कार्यालय दीपका से दीपका पानी			
3	प्रस्तावित नया स्थान- हरदी बाजार बोरवेल का पानी			
4	प्रस्तावित नया स्थान- रेंकी बोरवेल पानी			

भूजल	मापदंडों	आवृत्ति	मानकों का पालन किया जाना है
1	नावाडीह में कुएं का पानी	35 पैरामीटर - रंग, गंध, फेनोलिक यौगिक, मैलापन, पीएच, क्षारीयता, कुल कठोरता, लोहा, क्लोराइड, शेष मुक्त क्लोरीन, टीडीएस, कैल्शियम, कॉपर, सल्फेट, नाइट्रेट और आदि। + भूजल स्तर	एक वर्ष में चार बार- पूर्व मानसून (अप्रैल/मई), मॉनसून (अगस्त), पश्चात मानसून (नवंबर) और शीत (जनवरी)
2	बोयदा में कुएं का पानी		
3	रेंकी में कुएं का पानी		
4	नुनेरा में कुएं का पानी		
5	उरता में कुएं का पानी		
6	तिवार्ता में कुएं का पानी-1		
7	नॉनबिर्रा में कुएं का पानी		
8	जवाली में कुएं का पानी		
9	हरदीबाजार में कुएं का पानी		
10	झाबर में कुएं का पानी		
11	धौलपुर में कुएं का पानी		
12	पंटोरा में कुएं का पानी		
13	धतूरा में कुएं का पानी		
14	फुलझर में कुएं का पानी		
15	केराकाचर में कुएं का पानी		
16	चोनरा में कुएं का पानी		

आपातकालीन प्रक्रियाएँ

पहले चर्चा की गई अनुसूची के अनुसार नियमित निगरानी की प्रक्रिया में, यदि कोई पर्यावरणीय पैरामीटर जैसे वायु गुणवत्ता, पानी की गुणवत्ता, शोर का स्तर आदि मानकों के निर्धारित स्तरों से ऊपर पाए जाते हैं, तो प्रदूषण उत्पादन के स्रोत पर तत्काल नियंत्रण उपाय अपनाए जाने हैं।

1.5 अतिरिक्त अध्ययन:

1.5.1 आपदा प्रबंधन और जोखिम मूल्यांकन:

दीपका ओसी मौजूदा माइन का विस्तार है। दीपका खदान का "आपातकालीन संगठन एवं निकासी योजना" प्रभावशील है। इसे डीजीएमएस के दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है।

1.5.2 सामाजिक प्रभाव आकलन, आर एंड आर योजना

परियोजना में खुद दीपका सहित गाँवों की संख्या 12 नग हैं जिसकी कुल भूमि क्षेत्र 1999.386 हेक्टेयर है। इसमें 1690 परिवारों का पुनर्वास शामिल है। जिनमें से 470 का विभिन्न स्थलों पर पुनर्वास, 1137 को नकद अनुदान एवं 75 शेष प्रक्रियाधीन है। सीआईएल आर एंड आर नीति, 2012 के अनुसार भूमि विस्थापितों को मुआवजा दिया जाता है।

1.5.3 जन सुनवाई

ड्राफ्ट ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट (ईआईए अधिसूचना, 2006) जमा करने के बाद परियोजना स्थान पर जन सुनवाई आयोजित की जाएगी। लोक परामर्श के दौरान उठाई जाने वाली सभी चिंताओं/मुद्दों को रिकॉर्ड किया जाएगा और परियोजना प्रस्तावक द्वारा ध्यान दिया जाएगा और उचित कार्यवाही किया जाएगा। उठाये गये मुद्दों के खिलाफ परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए विस्तृत कार्य योजना और लोक परामर्श कार्यवाही के दौरान दर्ज चिंताओं/मुद्दों के प्रमाणित अनुपालन सहित सभी कार्यवाहियों को अंतिम ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा।

1.5.4 यातायात सर्वेक्षण

यातायात घनत्व सर्वेक्षण तीन रणनीतिक बिंदुओं पर आयोजित किया गया है और औसत सेवा का अनुमानित स्तर (LoS) डी (D) (स्थिर प्रवाह) है।

1.5.5 एकीकृत जल विज्ञान अध्ययन

आधारभूत प्रवाह पर खनन के प्रभाव का आकलन करने के लिए, एनआईटी, रायपुर द्वारा एकीकृत हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन पर एक वैज्ञानिक जाँच किया गया है। इस अध्ययन में, यह स्थापित किया गया है कि लीलागर नदी के आधारभूत प्रवाह के बहाव पर खनन गतिविधियों का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है।

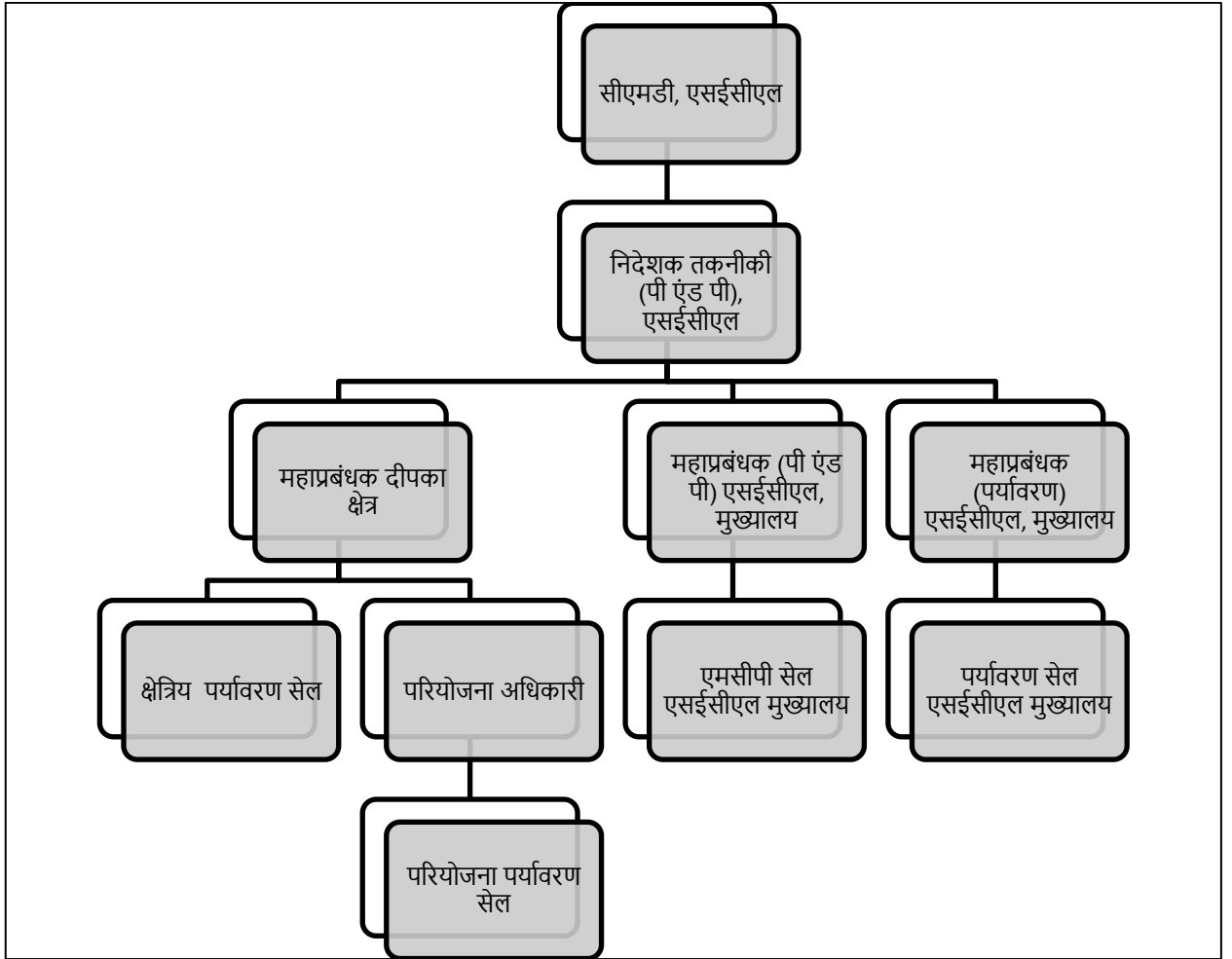
1.6 परियोजना लाभ:

मौजूदा दीपका ओसी परियोजना के विस्तार से आस-पास के क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। इसके परिणामस्वरूप निम्नलिखित लाभ होंगे:

1. रोजगार सृजन
2. राष्ट्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करें
3. भौतिक अवसंरचना में सुधार
4. सामाजिक अवसंरचना में सुधार
5. राजकोष में योगदान
6. हरित आवरण का संवर्धन
7. व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
8. अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर (प्रत्यक्ष रोजगार का लगभग 3 गुना)

1.7 पर्यावरण प्रबंधन योजना:

परियोजना के पर्यावरण प्रबंधन योजना को लागू करने की जिम्मेदारी पर्यावरण प्रबंधन संरचना की रहती है। जिसे योग्य और प्रशिक्षित कर्मियों की एक टीम द्वारा उचित सहायता प्रदान किया जाता है।



चित्र - 1.1 पर्यावरण प्रबंधन के लिए संगठन संरचना

एसईसीएल बोर्ड ने अपनी बैठक दिनांक 18.09.20 के द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड की कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति-2018 को अपनाने के लिए मंजूरी दे दी है।

पर्यावरण नीति वक्तव्य:

“कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) एकीकृत परियोजना योजना और डिजाइन, प्रदूषण की रोकथाम / शमन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पारिस्थितिकी और जैव विविधता की बहाली, पुनर्चक्रण / कचरे के उचित निपटान, जलवायु परिवर्तन और समावेशी विकास को संबोधित करते हुए पर्यावरण की रक्षा करके सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य बेस्ट प्रैक्टिसेज का पालन करते हुए पर्यावरणीय प्रदर्शन में निरंतर सुधार के लिए अपने हितधारकों के बीच जागरूकता लाना है।

गैर-अनुपालन/उल्लंघन की सूचना देने का तंत्र

कोयला खदानों में पर्यावरण मंजूरी (ईसी) और वन मंजूरी (एफसी) शर्तों के अनुपालन की निगरानी के लिए, एमओसी (MOC) स्तर पर एक शीर्ष समिति का गठन इसके ओएम दिनांक 22.06.2019 के तहत किया गया है।

उपरोक्त के क्रम में, MoC के निर्देशों के अनुसार, समयबद्ध कार्य योजना के साथ EC/FC/CTO शर्तों के नियमित निरीक्षण, निगरानी और अनुपालन के लिए CIL स्तर पर, सहायक कंपनियों के स्तर पर और क्षेत्र स्तर पर भी समितियाँ बनाई गई हैं।

क्षेत्रीय स्तर पर समिति एक अंतर-क्षेत्रीय आडिट कर रही है और महाप्रबंधक (पर्यावरण), एसईसीएल को गैर-अनुपालन से संबंधित अपनी रिपोर्ट/निष्कर्ष प्रस्तुत कर रही है। इस रिपोर्ट के आधार पर, सुधारात्मक कार्रवाई के साथ-साथ निवारक कार्रवाई के साथ-साथ एक समय-सीमा के साथ एक कार्य योजना भी की जा रही है। कुछ खदानों का निरीक्षण आईसीएफआरई (इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन) जैसे तीसरे पक्ष द्वारा भी किया जाता है जो अपनी रिपोर्ट एसईसीएल (मुख्यालय) को सौंपते हैं। निष्कर्षों के आधार पर गैर-अनुपालन या आंशिक अनुपालन पर कार्रवाई की जाती है।

एसईसीएल नियमित रूप से अर्धवार्षिक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करता है और पिछले वित्तीय वर्ष के पर्यावरण लेखापरीक्षा विवरण भी 30 सितंबर तक क्षेत्रीय कार्यालय/एमओईएफसीसी के एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय/एसपीसीबी को समय पर प्रस्तुत करता है जिसमें पर्यावरणीय मंजूरी के अनुपालन का विवरण होता है।

1.8 परियोजना के कार्यान्वयन के लिए समग्र औचित्य:

दीपका ओसी की मौजूदा क्षमता 37.5 एमटीपीए (परियोजना क्षेत्र 1999.293 ह हेक्टेयर) है। कोयला और ओबी दोनों के लिए आउटसोर्सिंग द्वारा दीपका ओसी का विस्तार 40.00 एमटीपीए (परियोजना क्षेत्र 1999.386 हेक्टेयर) प्रस्तावित किया गया है। अध्ययन क्षेत्र के लिए किए गए आधारभूत अध्ययन से संकेत मिलता है कि आसपास के क्षेत्र में पर्यावरणीय विशेषताओं की सभी भौतिक, रासायनिक और जैविक विशेषताएं अनुमेय सीमा के भीतर हैं। इस पर्यावरणीय मूल्यांकन के आधार पर, पूर्व-परियोजना और परियोजना-पश्चात् दोनों चरणों के दौरान संभावित प्रभावों का अनुमान लगाया गया है और प्रभावों को दूर करने के लिए आवश्यक पर्यावरण प्रबंधन योजना तैयार की गई है। निकाले गए कोयले का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा जो अंततः देश के विकास के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। समग्र परियोजना कार्यान्वयन का पर्यावरण पर कोई उल्लेखनीय प्रभाव नहीं पड़ेगा। परियोजना के लाभ से रोजगार के अवसर, क्षेत्र में राजस्व और ढांचागत विकास और अन्य वाणिज्यिक व्यापार के अवसरों में वृद्धि होते हैं। प्रभावित हितधारकों की मांग को केंद्रीय/राज्य प्राधिकरण के परामर्श से उपयुक्त निधियों का उपयोग करके पूरा किया जाएगा। इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रदूषण नियंत्रण और शमन उपायों के विवेकपूर्ण और उचित कार्यान्वयन के साथ, प्रस्तावित परियोजना पर्यावरण पर बहुत अधिक नकारात्मक प्रभाव डाले बिना आगे बढ़ सकती है।

1.9 प्रतिकूल प्रभाव कैसे कम किया जाता है की व्याख्या:

उपायों को मजबूत करने के लिए प्रतिक्रिया के रूप में इसकी निगरानी के साथ-साथ खनन गतिविधियों को नियंत्रण उपायों से निपटा जाएगा। परियोजना से प्रभावित लोगों के आरएंडआर जैसी अन्य संबद्ध गतिविधियां उन्हें अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिए होंगी। पर्यावरणीय प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण और प्रस्तावित/अनुशंसित उपचारात्मक उपायों से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रस्तावित परियोजना के कारण पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत अधिक गिरावट होने की संभावना नहीं है। आवंटित उपचारात्मक उपायों के लिए समर्पित पूंजी और राजस्व निधि का उपयोग किया जाएगा। ईएमपी कार्यान्वयन के लिए कार्य कार्यक्रम नीचे दिया गया है:

क्र सं.	अवधि / गतिविधियां	1	2	3	4	5	एमसी1	एमसी2	एमसी3
1	परियोजना प्रभावित परिवारों/व्यक्तियों का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन								
2	अग्रिम वनरोपण/वृक्षारोपण								
3	क्षतिपूरक वनीकरण								
4	डंप रिक्लेमेशन								
अ.	बाहरी डंप	किया हुआ है। (केवल आंतरिक पाटन (डंपिंग) चल रहा है)							
	अ. भरना (डंपिंग)								
	ब. रिक्लेमेशन (तकनीकी)								
	स. वृक्षारोपण								
ब.	आंतरिक डंप								
	अ. भरने								
	ब. आंतरिक डंप में फिर से संभालना								
	स. रिक्लेमेशन (तकनीकी)								
	ड. वृक्षारोपण								
5	पर्यावरण निगरानी / स्वास्थ्य निगरानी								
6	तेल और ग्रीस ट्रेप, डीईटीपी का संचालन/रखरखाव								
7	सड़कों पर पानी का छिड़काव, सीएचपी								
8	गांवों में सीएसआर गतिविधियां								
9	खदान बंद करने की गतिविधियां								

चित्र 1.2: ईएमपी कार्यान्वयन के लिए कार्य कार्यक्रम (दीपका ओसी)

नोट- यह जन सुनवाई दस्तावेज़ हिंदी और अंग्रेजी संस्करण में लिखा गया है। दो उपरोक्त संस्करणों के बीच किसी भी विसंगति की स्थिति में, अंग्रेजी संस्करण इस दस्तावेज़ की भावना, इरादा और अर्थ निर्धारित करने में प्रबल होगा।

=====